दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 | 3 गेहूं कटे खेत में तड़पती रही युवती... | 5 सास को लेकर दामाद भागा | 8 ओलंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 42 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 14 अपैल, 2025

नया गोरखपुर के लिए सुस्त पड़ी भूमि जुटाने की रफ्तार

किसानों से सहमति नहीं बनने से अटकी खरीद

संवाददाता, गोरखपुर। *मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत नया गोरखपुर के लिए चल रही भूमि जुटाने की रफ्तार सुस्त पड़ गई है। अब तक गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) समझौते के आधार पर करीब 190 भूमि खरीद चुका है। योजना के लिए 25 गांव की छह हजार एकड़ भूमि समझौते व अनिवार्य अधिग्रहण के तहत खरीदी जानी है। प्राधिकरण को अब सदर तहसील के दो और गांव बैजनाथपुर और विशुनपुर में जमीन की खरीद शुरू करनी है। यहां भी समझौते के आधार पर ही काश्तकारों से भूमि ली जाएगी।*

लेकिन, दर को लेकर कई काश्तकारों से सहमति नहीं बन पाने की वजह से खरीद शुरू नहीं हो पा रही है। प्राधिकरण के मुताबिक अब तक समझौते के आधार पर बालापार में 414 काश्तकार, मानीराम में 468 और रहमतनगर में 50 काश्तकार से 189.90 एकड़ भूमि खरीदी जा चुकी है। इसके लिए कुल 932 काश्तकारों को 278.63 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

नया गोरखपुर योजना के लिए विकास प्राधिकरण, राजस्व ग्राम बालापार, मानीराम, रहमतनगर, सोनबरसा, महराजगंज, परमेश्वरपुर, बैजनाथपुर, विशुनपुर, देवीपुर, रामपुर गोपालपुर, ठाकुरपुर नंबर एक व ठाकुरपुर दोयम में

करार के आधार पर जबकि अन्य गांवों में अनिवार्य अर्जन के तहत भूमि ले रहा है।

भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी चल रही

तीन हजार करोड़ रुपये की नया गोरखपुर परियोजना के लिए जीडीए ने समझौते के आधार पर जमीन लेने के साथ ही अनिवार्य अधिग्रहण की भी प्रक्रिया शुरू कर दी है। गोरखपुर–कुशीनगर रोड पर चौरीचौरा तहसील क्षेत्र के माड़ापार में 151.261 हेक्टेयर और सदर तहसील क्षेत्र के तकिया मेदनीपुर में 44.706 व कोनी में 56.482 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत की जाएगी। इसके लिए चयनित एजेंसी की ओर से समाघात सामाजिक अध्ययन की रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बाद अब जनसुनवाई भी हो चुकी है।

जमीन क्रय करने के साथ ही जोनल प्लान भी कर रहे तैयार

नया गोरखपुर के लिए समझौते के आधार पर जमीन क्रय करने के साथ ही प्राधिकरण ने यहां के सुनियोजित विकास के लिए जोनल प्लान बनाने का काम भी शुरू कर दिया है। चयनित फर्म ड्रोन सर्वे के माध्यम से इस क्षेत्र का जोनल प्लान तैयार कर रही है। प्रथम चरण में मानीराम, बालापार समेत चार गांव, जहां प्राधिकरण की ओर से जमीन क्रय की जा रही है, उसका जोनल प्लान तैयार कराया जा रहा है।

लान तैयार होते ही उसे स्वीकृति के लिए शासन को भेजा जाएगा। इसी तरह जैसे–जैसे कुछ गांवों में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होती जाएगी, वहां का जोनल प्लान भी तैयार होता जाएगा। इसके जरिये यह तय हो सकेगा कि कहां की भूमि आवासीय होगी, कहां व्यावसायिक और कहां स्कूल, अस्पताल व अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

चंद्रिका देवी में मारपीट के बाद दुकानदारों की गांधीगीरी

गुलाब देकर श्रद्धालुओं का कर रहे स्वागत,बोले– हम शर्मिंदा हैं

लखनऊ। चंद्रिका देवी मंदिर में श्रद्धालुओं के साथ मारपीट के बाद 5 दिन से दुकानें बंद हैं। माताजी के दरबार में भक्तों की संख्या भी कम हो गई है। ऐसे में दुकानदार श्रद्धालुओं को वापस बुलाने के लिए गांधीगिरी पर उतर आए हैं। वह मंदिर आ रहे गिने–चुने भक्तों को गुलाब का फूल दे रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि मारपीट की घटना के बाद से हम शर्मिंदा हैं। हम यहां 25–30 साल से दुकान चला रहे हैं। कभी ऐसा नहीं हुआ। इस घटना के बाद से दुकानें बंद हैं। हम लोग घर कैसे चलाएं? रोजी रोटी पर संकट आ गया है। दरअसल, 7 अप्रैल को नवरात्रि की दशमी के दिन श्रद्धालु पियूष शर्मा के साथ दुकानदारों ने मारपीट कर दी थी।

मुस्कान का बच्चा आखिर किसका है?

अल्ट्रासाउंड में 1.5 महीने की प्रेग्नेंसी आई

मेरठ। सौरभ की हत्या करने की आरोपी मुस्कान रस्तोगी का शुक्रवार को अल्ट्रासाउंड किया गया। डॉक्टर के मुताबिक, मुस्कान करीब 50 दिन पहले प्रेग्नेंट हुई थी। देखा जाए तो यह वही टाइम है, जब सौरभ लंदन से मेरठ आया था, यानी 22 फरवरी का।

दूसरी तरफ, मुस्कान अपने बॉयफ्रेंड साहिल के साथ भी लगातार संपर्क में थी, संबंध भी बना रही थी। ऐसे में इस वक्त का सबसे बड़ा सवाल यही है कि मुस्कान आखिर किसके बच्चे की मां बनने जा रही है। ये बच्चा उसके पति सौरभ का है या उसके बॉयफ्रेंड साहिल का।

सौरभ के भाई राहुल राजपूत का कहना है कि पुलिस को कानूनी प्रक्रिया से बच्चे का क्छ। टेस्ट कराना चाहिए। ताकि साफ हो सके कि बच्चे का असली पिता कौन है? अगर यह बच्चा सौरभ का होगा, तब उसकी परवरिश परिवार करेगा। अगर यह बच्चा साहिल का है, तब हमें कोई मतलब नहीं होगा।

प्रेमी ने पत्नी का बनाया अश्लील वीडियो फिर करने लगा अपनी मनमानी...

गोरखपुर। *हत्या के दिन युवक ने किसी दूसरे के मोबाइल से हिदायतुल्लाह को फोन कर रील बनाने के लिए बुलाया। शाम को हिदायतुल्लाह आया तो वह उसकी मोटरसाइकिल से अंधेरा होने तक इधर–उधर घूमता रहा। अंधेरा होने पर वे रील बनाने के लिए अमरडोभा गांव के सिवान में पहुंचे और शराब पी और उसे मौत के घाट उतार दिया। उत्तर प्रदेश के संतकबीरनगर जिले के बेलहरकला थानाक्षेत्र के अमरडोभा में 25 मार्च को ऑटो चालक हिदायतुल्लाह की हत्या करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसकी पत्नी का हिदायतुल्लाह ने अश्लील वीडियो बना लिया था और ब्लैकमेल कर रहा था। कई बार कहने के बाद भी वीडियो और फोटो को डिलीट नहीं कर रहा था। इसके बाद वह रील बनाने के नाम पर सिवान में ले जाकर पिलाई शराब और हत्या कर दी। मामले का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि पुलिस को प्रेम–प्रसंग में ऑटो चालक की हत्या होने के सुराग लगे थे। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के इमलीडीहा गांव निवासी अनुज चौहान ने वारदात को अंजाम दिया है। इसके बाद पुलिस टीम आरोपी की तलाश में लग गई और लगातार उसकी लोकेशन ट्रेस कर रही थी।शुक्रवार सुबह उसे खलीलाबाद क्षेत्र के परसोहिया उर्फ सिंहियहवा के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से हिदायतुल्लाह का मोबाइल, उसकी मोटरसाइकिल और एक चाकू तथा 600 रुपये नकद बरामद किया गया है। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि हिदायतुल्लाह उसकी पत्नी का अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर रहा था और वायरल करने की धमकी देता था। उसने बताया कि इसके बाद उसने हिदायतुल्लाह की हत्या की साजिश रची और अपने विश्वास में लेने लगा। हत्या के दिन उसने किसी दूसरे के मोबाइल से हिदायतुल्लाह को फोन कर रील बनाने के लिए बुलाया। शाम को हिदायतुल्लाह आया तो वह उसकी मोटरसाइकिल से अंधेरा होने तक इधर–उधर घूमता रहा। अंधेरा होने पर वे रील बनाने के लिए अमरडोभा गांव के सिवान में पहुंचे और शराब पी। इसके बाद उसने पत्नी के फोटो व वीडियो डिलीट करने के लिए कहा तो हिदायतुल्लाह तैयार नहीं हुआ तो उसने गुस्से में पास अपने पास रखे चाकू से हिदायतुल्लाह की गर्दन और पेट पर वार कर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद वह छिपकर रह रहा था।*

धारदार हथियार से 18 बार प्रहार कर की हत्या

बेलहरकला थानाक्षेत्र के अमरडोभा गांव के सिवान में 26 मार्च की सुबह एक युवक की लाश पाई गई। जिसका गला कटा हुआ था। इसके साथ ही उसके पेट पर भी कटने और खरोंचने के निशान थे। पुलिस ने उस लाश को अज्ञात मानकर मोर्चरी में रखा था। इसी बीच कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के टेमा रहमत गांव के निवासी लायकुल्लाह ने 27 मार्च को जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचकर शव की शिनाख्त अपने 22 वर्षीय बेटे हिदायतुल्लाह के रूप में की। इसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह बात निकलकर सामने आई कि उसके गले पर 18 बार धारदार हथियार से हमला किया गया है।

टीम को 25 हजार का इनाम

इस घटना के पर्दाफाश के लिए एसपी ने पुलिस टीम के लिए 25 हजार रुपये इनाम की घोषणा की है। इस टीम में बेलहर थानाध्यक्ष रजनीश राय, एसएसआई ओपी यादव, हेड कांस्टेबल विजय सिंह, कांस्टेबल प्रवीण कुमार, रोहित कुमार, बृजेश सिंह, रविंद्र निषाद व राहुल कुमार तथा जिले की सर्विलांस टीम शामिल है।

चमोली। *उत्तराखंड के चमोली जिले के थराली क्षेत्र में तीन घंटे की मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचा दी. दोपहर बाद अचानक मौसम बदला और तेज आंधी, तूफान के साथ बारिश शुरू हो गई. तेज बारिश के साथ भयंकर ओलावृष्टि भी हुई, जिससे कई गांव प्रभावित हो गए. लगातार तेज बारिश से नाले उफान पर आ गए, जिससे थराली–देवाल मुख्य मोटर मार्ग सहित छह सड़कें बाधित हो गईं. मलबे में दो दर्जन से अधिक गाड़ियां भी दब गईं।*

सम्पादकीय

आभासी करोड़पति

गरीबी अभिशाप है, यह वाक्य कहने के लिए ठीक है मगर हकीकत है कि गरीबी मानवनिर्मित त्रासदी है

गरीबी अभिशाप है, यह वाक्य कहने के लिए ठीक है, मगर हकीकत है कि गरीबी मानवनिर्मित त्रासदी है। इंसानी सभ्यता के शुरुआती दौर में सर्वाइवल ऑफ द फिटेस्ट यानी जो सर्वाधिक योग्य रहेगा, वो बचेगा, पनपेगा, ऐसी धारणा मानी जा सकती थी, भारत की आदि संस्कृति में इसी बात को दूसरे तरीके से कहा गया है कि –दैवो दुर्बलघातकरू यानी भगवान भी दुर्बल को ही मारते हैं।

मुसीबत थी हमारे ही लिए क्यूं।
ये माना हम जिए लेकिन जिए क्यूं।।

19 वीं सदी में मिजा 'मोहम्मद हादी अजीज लखनवी के लिखे इस शेर को पढ़कर 20वीं सदी में लिखे शकील बदायूंनी के अमर गीत की पंक्तियां याद आ गईं– दुनिया में हम आए हैं तो जीना ही पड़ेगा, जीवन है अगर जहर तो पीना ही पड़ेगा। फिल्म मदर इंडिया का यह गीत जैसे आज भी करोड़ों भारतीयों की हकीकत ही है। गुलामी के लंबे दौर के बाद हम आजाद हो गए, और अब तो आजादी के अमृत महोत्सव को मनाकर आगे भी निकल चुके हैं, लेकिन जीवन के प्याले में जहर खत्म होने की जगह बढ़ता ही जा रहा है। गरीबी अभिशाप है, यह वाक्य कहने के लिए ठीक है, मगर हकीकत है कि गरीबी मानवनिर्मित त्रासदी है। इंसानी सभ्यता के शुरुआती दौर में सर्वाइवल ऑफ द फिटेस्ट यानी जो सर्वाधिक योग्य रहेगा, वो बचेगा, पनपेगा, ऐसी धारणा मानी जा सकती थी, भारत की आदि संस्कृति में इसी बात को दूसरे तरीके से कहा गया है कि –श्दैवो दुर्बलघातकरूश यानी भगवान भी दुर्बल को ही मारते हैं। लेकिन आज के युग में ऐसी बातें कतई स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। खासकर भारत के संदर्भ में बात करें तो यहां आजादी के बाद लोकतांत्रिक शासन प्रणाली को अपनाया गया, जिसमें राज्य पर लोककल्याणकारी होने की जिम्मेदारी तय की गई। अगर इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी के साथ निभाया जाए तो फिर न किस्मत को दोष देने की नौबत आएगी, न गरीबी को पिछले जन्म के कर्मों का परिणाम समझकर उसे अभिशाप कहा जाएगा। भारत में अगर 80 करोड़ लोग गरीबी के कारण पांच किलो अनाज लेने पर मजबूर हैं तो यह सवाल सरकार से बनता है कि आखिर पांच सालों से चल रही इस योजना को और कितने साल चलाया जाएगा। कब हालात ऐसे बनेंगे कि हर हाथ को काम होगा ताकि आत्मसम्मान के साथ अपने भोजन–पानी का इंतजाम नागरिक खुद करें। अफसोस की बात है कि इस बुनियादी सवाल पर लगभग शून्य चर्चा होती है। अगर कहीं सवाल उठे तो मोदी महामानव हैं, अवतारी हैं, ऐसे कसीदे गढ़कर उन जवाबों को खारिज किया जाता है। हाल ही में भाजपा सांसद कंगना रानौत ने नरेन्द्र मोदी को अवतारी कहा है और ये अकेला या पहला उदाहरण नहीं है। जब से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, उन्हें प्रातरूस्मरणीय बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। हालांकि ऐसी प्रशस्तियों से कोई इंसान वाकई भगवान का अवतार नहीं बन जाता, नरेन्द्र मोदी इंसान हैं और वहीं रहेंगे। और इंसान नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री की कुर्सी पर जब बैठे हैं तो स्वाभाविक तौर पर उनसे ही सवाल किए जाएंगे कि अगर उनके शासन में लोगों को किसी भी किस्म का कष्ट है तो उन्हें दूर करने के लिए वे क्या उपाय कर रहे हैं।

मगर ऐसे सवाल करने की जगह हिंदू–मुस्लिम विमर्शों में वक्त जाया किया जा रहा है, या फिर ऐसी खबरें प्रसारित–प्रचारित हो रही हैं, जिनका जनसामान्य से कोई लेना–देना नहीं है। अभी पिछले साल मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की शादी के पहले के भव्य जलसे और बाद में शादी की धूमधाम कितने वक्त तक मीडिया में छाई रहीं ये पाठकों को याद होगा। फिर उन्हीं अनंत अंबानी के निजी जंगल वनतारा पर ऐसी खबरें बनने लगीं, हालांकि यहां भी जो सवाल उठाया जाना चाहिए था कि कैसे किसी व्यक्ति को जंगल बनाकर उसमें जंगली जानवरों को पालतुओं की तरह रखने की छूट दी गई, वो लगभग गुम ही रहा। अब अनंत अंबानी की एक और खबर कई दिनों तक दिखाई जाती रही। जामनगर से द्वारकाधीश तक की पदयात्रा उन्होंने की। रोजाना लगभग 20 किमी की यात्रा अनंत अंबानी 5–6 घंटे में करते थे।

एक व्यक्ति की निजी उद्देश्यों के लिए गई पदयात्रा किस तरह बाकी समाज का सरोकार बन सकती है, ये समझ से परे है। मगर पत्रकारिता के नाम पर चाटुकारों की मंडली ने इसमें कई किस्म की खबरें ढूंढ निकाली। जैसे अनंत अंबानी रोजाना हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पढ़ते हुए चलते थे। अच्छी बात है, लेकिन इस देश में करोड़ों हिंदू रोजाना ऐसे ही पाठ करते हैं, तो क्या ये खबर बन गई। फिर बताया गया कि अनंत अंबानी कुशिंग सिंड्रोम नामक एक दुर्लभ हार्मोनल बीमारी से जूझते हैं, उन्हें मोटापा, अस्थमा जैसे कई रोगों की दिक्कत है।

संशोधित वक्फ अधिनियम को लागू करना मोदी सरकार के लिए बड़ी चुनौती

संशोधन वक्फ न्यायाधिकरण को बहुत अधिक लचीलापन प्रदान करता है, क्योंकि इसमें विलंब के लिए पर्याप्त कारण नहीं बताया गया है। यह विस्तार के लिए अधिकतम समय भी निर्धारित करता है तथा अनुरोध करने के लिए चरणों की रूपरेखा भी बताता है। सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन ने अल्पसंख्यकों के लिए लाभकारी बताते हुए इस कानून का दृढ़तापूर्वक बचाव किया। वक्फ संपत्ति संशोधन अधिनियम–2025 को लेकर काफी चिंता है, जिसे गत लोकसभा ने पारित कर दिया था। यह विवादास्पद विधेयक 1995 के वक्फ अधिनियम को आद्यतन करता है और केंद्र सरकार को वक्फ संपत्तियों पर ज़्यादा नियंत्रण देता है। अगले दिन राज्यसभा ने इसे मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले हफ्ते इसे स्वीकृति प्रदान की और इस प्रकार यह विधेयक अब कानून में तब्दील हो गया है।

वक्फ इस्लाम के उद्देश्यों के लिए चल या अचल संपत्ति का समर्पण है और इतिहास में इसका एक महत्वपूर्ण स्थान है। इनमें मस्जिदें, मदरसे, आश्रय गृह और मुसलमानों द्वारा दान की गयी हजारों एकड़ जमीन शामिल हैं। इनका प्रबंधन बोर्ड द्वारा किया जाता है, तथा कुछ को अपनी संपत्तियों पर अतिक्रमण के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

वक्फ संशोधन विधेयक 2025 (उमीद) पारदर्शिता, जवाबदेही, आधुनिकीकरण तथा दक्षता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण परिवर्तन प्रस्तुत करता है। इसमें गैर–मुस्लिम प्रतिनिधित्व, सुव्यवस्थित प्रक्रियाएं तथा वित्तीय सुधार के प्रावधान शामिल हैं। इन परिवर्तनों में अतिक्रमण को रोकना तथा संसाधनों का उपयोग समुदाय के कल्याण के लिए सुनिश्चित करना शामिल है। संशोधन वक्फ न्यायाधिकरण को बहुत अधिक लचीलापन प्रदान करता है, क्योंकि इसमें विलंब के लिए पर्याप्त कारण नहीं बताया गया है। यह विस्तार के लिए अधिकतम समय भी निर्धारित करता है तथा अनुरोध करने के लिए चरणों की रूपरेखा भी बताता है। सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन ने अल्पसंख्यकों के लिए लाभकारी बताते हुए इस कानून का दृढ़तापूर्वक बचाव किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया, संसद द्वारा पारित कानून पारदर्शिता को बढ़ावा देगा तथा लोगों के अधिकारों की भी रक्षा करेगा, उन्होंने सोशल मीडिया एक्स में लिखा।

सरकार का कहना है कि 1995 के कानून में वक्फ संपत्तियों, शीर्षक विवादों तथा वक्फ भूमि पर अवैध कब्जे को विनियमित करने के संबंध में कुछ खामियां हैं। केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, अगर सरकार यह विधेयक नहीं लाती है, तो संसद भवन और हवाई अड्डे को वक्फ संपत्ति माना जायेगा। यह संदर्भ हमें उन विशिष्ट मुद्दों को समझने में मदद करता है, जिन्हें संशोधन संबोधित करने का लक्ष्य रखता है। इस सप्ताह संसद में लगभग 12 घंटे तक चली बहस के दौरान विपक्ष ने इसे मुस्लिम विरोधी कदम बताया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि निचले सदन में 288 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में मतदान किया, जबकि 232 ने इसका विरोध किया। श्इससे हम अनुमान लगा सकते हैं कि विभिन्न दलों के विरोध के बावजूद, यह विधेयक मोदी सरकार द्वारा मनमाने ढंग से लाया गया।श विचारों की यह विविधता इस मुद्दे की जटिलता और महत्व को दर्शाती है।

कांग्रेस सदस्य इमरान मसूद ने सरकार से पूछा कि वह अभ्यास करने वाले मुसलमान को कैसे परिभाषित करेगी। उन्होंने पूछा, श्आपकी परिभाषा क्या है? सभी मुसलमान पांच बार नमाज नहीं पढ़ते हैं, और सभी मुसलमान रोजा नहीं रखते हैं। मानदंड क्या होंगे? मुस्लिम समूहों ने तर्क दिया है कि वक्फ विधेयक का उद्देश्य वक्फ कानूनों को कमजोर करना है। उनका मानना है कि यह कानून अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। यह अनुच्छेद 14, 25, 26 और 29 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता को कमजोर करेगा। उन्होंने बढ़ते सरकारी नियंत्रण और व्यापक परामर्श की कमी का भी विरोध किया। ये चिंताएं मुस्लिम समुदाय पर विधेयक के संभावित नकारात्मक प्रभाव और आगे की चर्चा और परामर्श की आवश्यकता को उजागर करती हैं।

कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों का मानना है कि यह सरकार को बहुत अधिक शक्ति देता है और वर्तमान कानून में कई बदलावों का सुझाव देता है। लोकसभा में बोलते हुए, कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि यह विधेयक संविधान को कमजोर करेगा, अल्पसंख्यक समुदायों को बदनाम करेगा, भारतीय समाज को विभाजित करेगा और अल्पसंख्यकों को वंचित करेगा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने विधेयक का बचाव करते हुए कहा कि विपक्ष अल्पसंख्यकों को डरा रहा है और श्यह भ्रम पैदा कर रहा है कि यह विधेयक मुस्लिम भाइयों की धार्मिक गतिविधियों और उनकी दान की गयी संपत्ति में हस्तक्षेप करेगा। सरकार का दावा है कि यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को और अधिक पारदर्शी बनायेगा।

इस विधेयक को पहली बार पिछले साल अगस्त में संसद में पेश किया गया था। कड़े विरोध के कारण इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेज दिया गया। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने संशोधित संस्करण प्रस्तुत किया जिसमें समिति द्वारा सुझाये गये 25 बदलाव शामिल हैं। जेपीसी में विपक्ष और सत्ताधारी पार्टी दोनों के सदस्य थे। समर्थकों का दावा है कि वक्फ बोर्ड भारत के सबसे बड़े भूस्वामियों में से हैं। कम से कम 872 51 वक्फ संपत्तियां हैं, जो 940,000 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली हुई हैं। इन संपत्तियों का मूल्य लगभग 12खरब रुपये या लगभग 14.22अरब डॉलर है।

शुभ संकेत

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के वैश्विक आर्थिक युद्ध के बीच बुधवार को भारतीय इकॉनमी के लिए कुछ अच्छी खबरें आईं। पहली खबर यह कि रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में 0.25ः की कटौती की। इसके साथ ही उसने अपना ध्यान ग्रोथ तेज करने पर लगाया है।

ग्रोथ पर ध्यानः *रिजर्व बैंक ने पॉलिसी स्टैंड को 'न्यूट्रल' की जगह 'अकोमोडिटिव' कर दिया है। इससे आने वाले वक्त में भी ब्याज दरों में कमी किए जाने की संभावना बनी है। जानकारों का मानना है कि ब्याज दरों में इस साल और आधा फीसदी की कटौती की जा सकती है।*

सामान्य मॉनसूनः *दूसरी अच्छी खबर प्राइवेट वेदर एजेंसी स्काईमेट ने दी। उसने कहा कि इस साल भी मॉनसून सीजन में बारिश सामान्य से अधिक रहेगी। पिछले साल भी मॉनसूनी बारिश सामान्य से अच्छी हुई थी। मॉनसून के सामान्य रहने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। साथ ही, इससे रूरल डिमांड भी बढ़ेगी। इससे पहले ऐसी खबरें आई हैं कि अर्बन डिमांड (शहरी इलाकों में खपत) में भी सुधार हो रहा है, जो अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर है।*

ग्रोथ तेज होगीः *हालांकि, इस वित्त वर्ष में आर्थिक विकास दर के अनुमान को रिजर्व बैंक ने 6.7ः से कम करके 6.5ः किया है। पिछली कुछ तिमाहियों में आर्थिक विकास में सुस्ती दिखी थी। उसकी वजह यह थी कि पिछले साल लोकसभा चुनाव हुए और कुछ महीनों तक चुनावी आचार संहिता लागू होने के कारण सरकारी खर्च अपेक्षित नहीं रहा। इधर, सरकार ने खर्च बढ़ाया है, जिसका सकारात्मक असर आने वाले वक्त में दिखेगा।*

तेल सस्ता हुआः *भारतीय इकॉनमी के लिए एक और अच्छी खबर कच्चे तेल के दाम में आई कमी है। ब्रेंट क्रूड का भाव 60 डॉलर प्रति बैरल के करीब चल रहा है, जिससे महंगाई दर को काबू करने में मदद मिलेगी। असल में, भारत अपनी जरूरत का दो तिहाई से भी अधिक कच्चा तेल आयात करता है। इसलिए इसमें कमी आने से विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी, जिससे करंसी को सहारा मिलेगा।*

वाम राजनीति की नयी उम्मीद

कई चुनौतियों के बीच केरल के वरिष्ठ साम्यवादी नेता मरियम एलेक्जेंडर बेबी को देश के सबसे बड़े वामपंथी दल– कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्किसस्ट) ने रविवार को अपना नया महासचिव नियुक्त किया। पिछले वर्ष 12 सितम्बर को सीताराम येचुरी के निधन के बाद से यह पद रिक्त था जो उन्होंने लगभग 9 साल तक सम्हाला था। तमिलनाडु के मदुरै में सम्पन्न पार्टी के 5 दिवसीय सम्मेलन के अंतिम दिन उन्हें यह पद दिया गया। उनके खिलाफ खड़े महाराष्ट्र के ट्रेड यूनियन नेता डीएल कराड़ को सिर्फ 31 वोट मिले। सीपीआई (एम) की केरल शाखा से पार्टी का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पद सम्हालने वाले वे दूसरे नेता हैं– दिग्गज ईएमएस नंबूदरीपाद के पश्चात।

पार्टी द्वारा हाल ही में 75 साल की उम्र सीमा का नियम लागू करने के बाद पूर्व महासचिव प्रकाश करात, वृंदा करात, सूर्यकांत मिश्रा, सुभाषिनी अली, माणिक सरकार और जी. रामकृष्णन जैसे वरिष्ठ नेता पोलित ब्यूरो से बाहर हो गये थे। केवल 79 वर्षीय केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को रणनीतिक कारणों से रखा गया है। पोलित ब्यूरो में 8 नए सदस्य शामिल हुए, वे हैं– त्रिपुरा विधानसभा में विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी, तमिलनाडु के पूर्व सीपीएम सचिव के. बालाकृष्णन व ट्रेड यूनियन नेता यू. वासुकी, सीकर (राजस्थान) के सांसद अमरा राम, श्रीदीप भट्टाचार्य (पश्चिम बंगाल), अखिल भारतीय किसान सभा के महासचिव विजू कृष्णन, अखिल भारतीय लोकतांत्रिक महिला संघ की महासचिव मरियम धावले और पूर्व छात्र नेता आर. अरुण कुमार। येचुरी के मुकाबले बेबी को वैचारिकी के स्तर पर अनुदार नेता माना जाता है। छात्र राजनीति (स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया) से मुख्य धारा की राजनीति में आने वाले बेबी को आपातकाल में छात्रों व युवाओं को संगठित करने के कारण जेल भी जाना पड़ा था। वे केरल के शिक्षा मंत्री रहे तथा लोकसभा सदस्य भी रहे। वे ऐसे वक्त में पार्टी का यह अहम पद सम्हाल रहे हैं जब कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। ये चुनौतियां संगठनात्मक हैं तो वहीं विधानसभा–लोकसभा में घटता प्रतिनिधित्व भी। इसके साथ ही राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक मोर्चों पर उसका कम होता हस्तक्षेप भी दल के लिये चिंता का विषय है।

पिछले 11 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने जिस प्रकार से दक्षिणपंथी विचारधारा को देश भर में फैलाया है, उसका माकूल जवाब देने में वामपंथी दल लगातार नाकाम साबित हो रहे हैं। ऐसा केवल सीपीएम ही नहीं वरन देश के दूसरे बड़े साम्यवादी दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) के बारे में भी कहा जा सकता है। फिर, दोनों दलों के बीच एकता की आशा तो दूर, अब देखना होगा कि क्या तालमेल भी सम्भव है। जो वाम मोर्चा 2004 में बनी कांग्रेस प्रणीत यूपीए सरकार के दौरान मौजूद था, वह अब अस्तित्व में इसलिये भी नहीं है क्योंकि संसद में उसकी उपस्थिति क्षीण है। याद हो कि 2004 में इसे 44 सीटें मिली थीं। आज वह 4 पर सिमटी हुई है। इनमें भी तीन उसे सहयोगी दलों के सहयोग से हासिल हो सकीं।

ईडी छापा –विनय तिवारी के कालेज भी गई थी टीम

डेढ़ घंटे की थी जांच– हिरासत में लेने के बाद टीम ने मारा था छापा

गोरखपुर। *ईडी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक सोमवार की सुबह साढ़े 10 बजे से 11 बजे के बीच एक टीम कॉलेज में गई थी और वहां लगभग डेढ़ घंटे तक जांच–पड़ताल की। इसी कॉलेज के नाम से फर्म के लखनऊ स्थित दफ्तर को भी ईडी की टीम ने सीज किया था। माना जा रहा है कि इसी से संबंधित प्रत्रावलियों के लिए टीम गोरखपुर आई थी। लखनऊ में रविवार देर रात पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी से पूछताछ के आधार पर सोमवार को टीम ने गोरखपुर में छापा मारा था। विनय शंकर से पूछताछ में मिले इनपुट के आधार पर यह कार्रवाई की गई थी। इसी आधार पर धर्मशाला स्थित आवास, महराजगंज और नार्मल स्थित पूर्व विधायक के गंगोत्री देवी महिला पीजी कॉलेज में भी टीम गई थी।*

ईडी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक सोमवार की सुबह साढ़े 10 बजे से 11 बजे के बीच एक टीम कॉलेज में गई थी और वहां लगभग डेढ़ घंटे तक जांच–पड़ताल की। इसी कॉलेज के नाम से फर्म के लखनऊ स्थित दफ्तर को भी ईडी की टीम ने सीज किया था। माना जा रहा है कि इसी से संबंधित प्रत्रावलियों के लिए टीम गोरखपुर आई थी। ईडी की पांच टीमें एक साथ सोमवार को गोरखपुर और महराजगंज पहुंची थी। दो टीमें महराजगंज गई थीं जबकि तीन टीमें गोरखपुर में थीं। सुबह लगभग साढ़े पांच से छह बजे की बीच तीन टीमें एक साथ धर्मशाला क्षेत्र में स्थित तिवारी हाता में पहुंचीं थीं। इसमें एक टीम सुबह साढ़े 10 बजे कॉलेज पहुंची और पत्रावलियों को खंगाला और फिर लखनऊ निकल गई। सूत्रों के मुताबिक दीपक पांडेय के भाई अजीत पांडेय गोमती इंटरप्राइजेज में विनय तिवारी के साझेदार हैं। टीम ने 14 महीने पहले जब विनय तिवारी के आवास समेत अन्य ठिकानों पर छापा मारा था तब मिली पत्रावलियों के साथ बैंक अकाउंट और फर्म के बैंक स्टेटमेंट का मिलान किया गया।

विभागीय सूत्रों के मुताबिक जांच में सामने आया कि बैंक से लिए गए ब्याज की रकम और संबंधित फर्मों के अलावा अन्य बेनामी फर्मों से भी लेनदेन किए गए थे। आयकर इन फर्मों को बोगस फर्मों की श्रेणी में मानकर

जांच कर रही है। सूत्रों ने बताया कि इसी आधार कर प्रवर्तन निदेशालय ने धन से जुड़े मामलों के अलावा गुप्त आर्थिक लेनदेन लिए जाने पर मनी लॉन्ड्रिंग के तहत नया केस दर्ज किया और विनय तिवारी, उनके साझेदार और फर्म गंगोत्री इंटरप्राइजेज को पार्टी बनाया।

हालांकि, विनय के बड़े भाई पूर्व सांसद कुशल तिवारी का दावा है कि ये कार्रवाई राजनीतिक है। जब एक मामले में केस न्यायालय में चल रहा है तो बिना न्यायालय के आदेश के छापा मारना गलत हैं। उन्होंने दावा किया कि जांच के दौरान किसी जगह से एक भी कागज टीम को आपत्तिजनक नहीं मिले। सिर्फ दबाव बनाने के लिए कार्रवाई की गई।

पूछताछ के बाद लखनऊ से गोरखपुर आई थी टीम

सूत्रों के मुताबिक विनय तिवारी और सहयोगी पर मनी लॉन्ड्रिंग समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज करने के बाद रविवार रात 10 से 11 बजे के बीच ईडी की टीम ने पूछताछ शुरू की। इसी आधार पर सोमवार को टीमें गोरखपुर पहुंचीं और हाता, महाराजगंज और नार्मल स्थित कॉलेज पर पहुंची और पत्रावलियों को मौके से कब्जे में लिया। इस दौरान महाराजगंज से फार्म के एक साझेदार को भी टीम ने हिरासत में किया और लखनऊ कार्यालय ले गई। सोमवार दोपहर बाद मनी लॉन्ड्रिंग और अन्य गंभीर धाराओं में दर्ज केस के आधार पर पूर्व विधायक और उनके साझेदार अजीत पांडेय को गिरफ्तार कर लिया।

इन संपत्तियों को किया गया है जब्त

प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले की मुख्य आरोपी रीता तिवारी और अजीत पांडेय के साथ ही गंगोत्री इंटरप्राइजेज के प्रमोटर्स, डायरेक्टर्स, गारंटर्स और रॉयल एम्पायर मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड व कंदर्प कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के नाम दर्ज संपत्तियों को पहले ही जब्त किया था। रीता तिवारी पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी की पत्नी हैं। विभागीय सूत्रों ने बताया कि जब्ती के दौरान पत्रावलियों को जांच और बैंक अकाउंट के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया गया है। 2019 में डीआरटी ने भी समन जारी कर किया था तलबडेबिट रिकवरी ट्रिब्यूनल (डीआरटी) ने भी 2019 में तत्कालीन चिल्लूपार विधायक विनय शंकर तिवारी को समन जारी किया था। बैंकों ने ऋण वसूली के लिए डीआरटी का दरवाजा खटखटाया था। इसका संज्ञान लेते हुए डीआरटी ने विधायक, उनके भाई भीष्मशंकर तिवारी और पिता व पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी के खिलाफ समन जारी किया था। डीआरटी के समन के मुताबिक, गंगोत्री एंटरप्राइजेज लिमिटेड एवं अन्य ने अलग–अलग बैंकों से 1129 करोड़ (मूल और ब्याज मिलाकर) रुपये का ऋण लिया था। बाद में ये खाते एनपीए में चले गए। ज्यादातर बैंक खाते बंद किए जा रहे हैं। इस मामले में प्रतिवादियों (मेसर्स गंगोत्री एंटरप्राइजेज लिमिटेड व अन्य) को जवाब दाखिल करने का समय दिया गया था।

गेहूं कटे खेत में तड़पती रही युवती...

दर्द से कराह रही थी– कपड़े थे तितर–बितर, दुष्कर्म की आशंका

देवरिया। तीन गांवों के सीवान पर खेत में तड़प रही युवती को लोग देखकर अपना रास्ता पकड़ ले रहे हैं। कोई उसे अस्पताल पहुंचाने की जहमत नहीं उठा रहा था। क्षेत्र के कपरवार नई बस्ती के निकट लक्ष्मीपुर– खोरी के सीवान पर कटे गेंहू के खेत में एक युवती तड़पती मिली। जो नग्न हाल में थी। महिलाओं ने उसके कपड़े दुरुस्त किए। युवती कराह रही थी। किसी जिम्मेदार ने सुधि लेने की जहमत जहमत नहीं उठाया। लोग युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की आशंका व्यक्त कर रहे थे। तीन गांवों के सीवान पर खेत में तड़प रही युवती को लोग देखकर अपना रास्ता पकड़ ले रहे हैं। कोई उसे अस्पताल पहुंचाने की जहमत नहीं उठा रहा था। गांव की कुछ महिलाओं ने युवती को काले रंग का हाफ पैंट पहनाकर उसका अंग ढ़का। लोगों के अनुसार युवती पिछले दो दिनों से खेत में तडप रही है। पुलिसिया डर से लोग आगे नहीं आ रहे हैं।

आकाशीय बिजली गिरने से युवती की मौत

गोरखपुर। *बेलहर ब्लाक क्षेत्र के के ग्राम मलौली निवासी बाबू राम चौधरी की 19 वर्षीया बेटी आरती चौधरी के गेहूं के खेत की कटाई हुई थी। गेहूं के बोझ खेत में पड़े हुए थे। इसी दौरान अचानक बारिश होने लगी। युवती गेहूं के खेत से बोझ लाने के लिए गयी तभी अचानक बिजली कड़कने के दौरान वह भागी। बेलहर ब्लाक क्षेत्र के मलौली गांव में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक 19 वर्षीय युवती की मौत हो गयी। वह युवती अपने खेत में गेहूं का बोझ लाने के लिए गयी थी। वहां से आते समय यह हादसा हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।*

बेलहर ब्लाक क्षेत्र के के ग्राम मलौली निवासी बाबू राम चौधरी की 19 वर्षीया बेटी आरती चौधरी के गेहूं के खेत की कटाई हुई थी। गेहूं के बोझ खेत में पड़े हुए थे। इसी दौरान अचानक बारिश होने लगी। युवती गेहूं के खेत से बोझ लाने के लिए गयी तभी अचानक बिजली कड़कने के दौरान वह भागी। बारिश में वह आम के पेड़ के नीचे रुकी हुई थी। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिरी। नतीजा यह हुआ कि युवती पूरी तरह से झुलस गई। युवती की मौके पर ही मौत हो गयी। परिवार के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

घटना की जानकारी पाकर मुकामी बखिरा थाने की पुलिस के साथ ही तहसील प्रशासन के लोगों के साथ सीओ सर्वदवन सिंह घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवती की मौत के बाद घर में कोहराम मच गया है। परिवार के चार भाई और तीन बहनों में वह तीसरे स्थान पर थी। इस मामले में स्थानीय तहसील प्रशासन भी आवश्यक कार्रवाई में जुटा हुआ है। मलौली गांव की 19 वर्षीया आरती खेत से लौट रही थी, अचानक बिजली चमकी और वह घर की तरफ भागी।

हेल्पर से बन गया मेडिकल माफिया

संत कबीर नगर। संतकबीरनगर में स्टाफ नर्स की हत्या के मामले में नया राज खुला है। आरोपी संस हॉस्पिटल संचालक रामजी राव हेल्पर से मेडिकल माफिया बन गया। जानिए पूरी कहानी संतकबीरनगर में स्टाफ नर्स की हत्या करने वाला संचालक रामजी राव पहले एक झोला छाप डॉक्टर के यहां हेल्पर के रूप में काम करता था।

इसके बाद उसने धीरे–धीरे खुद की क्लीनिक खोलने के साथ ही एक बड़े अस्पताल का संचालक भी बन गया।

उसने आसपास के सरकारी चिकित्सकों की बदौलत अपने धंधे को आगे बढ़ाया। हाईवे और दुर्घटना क्षेत्र होने के चलते उसका अस्पताल चल निकला। बताते हैं कि पहले वह सेमरियांवा क्षेत्र के एक झोला छाप डॉक्टर के यहां हेल्पर के तौर पर काम करता था।

किराये की मकान में चलाने लगा अपना खुद का क्लीनिक

इसके बाद उसने वर्ष 2010 में सालेहपुर गांव के पास एक किराये की मकान में अपना खुद का क्लीनिक चलाने लगा। यही नहीं अपने क्लीनिक पर बाहर से डाक्टरों को लाकर बैठाता था। कई डॉक्टर तो ऐसे थे जो सप्ताह में एक बार ही आते थे। यही नहीं आसपास के डॉक्टर भी उसके क्लीनिक पर आते थे और मरीजों को देखते थे। उसकी सारी डीलिंग दवाओं की थी।

उसके क्लीनिक पर मरीजों से फीस नहीं ली जाती थी। नतीजा यह हो गया कि उसके क्लीनिक पर मरीजों की भीड़ होने लगी। वह आसपास के सरकारी चिकित्सालयों से भी चिकित्सकों को बुलाता था, इसकी बदौलत उसने खूब रुपये कमाए। जब उसने मेडिकल पेशा की सारी गतिविधियों को पूरी तरह से समझ लिया तब उसने 2018 में टेमा रहमत में किराये का मकान लेकर उसमें अपना अस्पताल संचलित करने लगा। इस दौरान उसने बस्ती और संतकबीरनगर जनपद के कई सरकारी चिकित्सकों संपर्क करके उनकी ओपीडी अपने अस्पताल में चलवाने लगा। जो चिकित्सक उसके संस हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर पर आते थे, वह उसके यहां कभी पंजीकृत ही नहीं रहे। यही नहीं जिन चिकित्सकों के नाम पर उसने अस्पताल का पंजीकरण कराया है, वह भी कभी अस्पताल नहीं आते हैं।

विभाग में थी अच्छी पैठ, इस वजह से बचता रहा

पंजीकृत स्टाफ में से भी कोई उसके यहां काम करने नहीं आता था। वह झोलाछाप डाक्टरों तथा सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों की ओपीडी लगवाकर पूरा खेल करता था। मेन हाईवे पर स्थित इस अस्पताल पर स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों की भी नजर नहीं जाती थी, कारण यह था कि उसकी विभाग में अच्छी पैठ थी, जिसके बूते वह बचता रहता था।

अस्पताल में नर्स का कत्ल

संतकबीरनगर जिले के खलीलाबाद कोतवाली इलाके के टेमा रहमत स्थित संस हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर में काम करने वाली नर्स की अस्पताल में हत्या कर दी गई। उसके गले में तीन जगह खरोंच के निशान मिले हैं। सूत्रों के मुताबिक, पोस्टमार्टम में गले की तीन हड्डियां टूटी मिली हैं। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर संचालक रामजी राव के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया। वहीं सीएमओ के निर्देश पर टीम ने अस्पताल सील कर दिया है।

पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के पहुरा गांव के निवासी एक शख्स की पोती 24 वर्षीय युवती खलीलाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग 28 पर स्थित निजी अस्पताल में नर्स थी। सोमवार रात में 11 बजे उसने मां को फोन करके बताया कि हॉस्पिटल में ही रुकेगी और सुबह घर आएगी। मंगलवार सुबह सात बजे तक ममता जब कमरे से बाहर नहीं निकली तो पड़ोस के कमरे के लोग पहुंचे। कमरे में कुंडी नहीं लगी थी। दरवाजा खोला गया नर्स बेसुध मिली। गले पर तीन जगह खरोंच के निशान दिखे। इसके बाद अस्पताल के स्टाफ ने परिजनों को सूचना दी। अस्पताल पहुंचे परिजन हंगामा करने लगे। हत्या की आशंका जताते हुए जांच की मांग की। हंगामे की जानकारी पर सीओ, एएसपी सुशील सिंह तथा मौके पर पहुंच गए। दोपहर में एसपी भी मौके पर पहुंचे। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने रामजी राव के खिलाफ केस दर्ज किया। आरोपी से पूछताछ की तो उसने चौंकाने वाला खुलासा किया।

व्यापारी पर ताबड़तोड़ फायरिंग

गोरखपुर। सिद्धार्थनगर जिले में बाइक सवारों ने स्वर्ण व्यवसाई की गोली मारकर हुई हत्या कर दी। व्यवसाई गोल्हौरा चौराहे से दुकान बंद कर घर जा रहा था। गोल्हौरा थाना क्षेत्र के रामटिकरा गांव के पास शुक्रवार रात दुकान बंद करके घर जा रहे सर्राफा व्यापारी पर बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग कर दी। गोली लगने से उसकी मौत हो गई। बदमाश आभूषण से भरा बैग लेकर मौके से फरार हो गए। हत्या की जानकारी के बाद मौके पर कई थानों की पुलिस पहुंच गई। आलाअधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया।

वहीं, हमलावरों को पकड़ने के लिए एसपी ने पुलिस की कई टीमें लगा दी हैं। जानकारी के अनुसार, गोल्हौरा थाना क्षेत्र के ग्राम रामटिकरा निवासी प्रभंजन (23) पुत्र अनिल वर्मा व आशीष (26) पुत्र अनिल वर्मा गोल्हौरा थाने के सामने सोने–चांदी के जेवरात की दुकान चलाते हैं। शुक्रवार शाम लगभग सात बजे दोनों भाई दुकान बंद कर बाइक से घर रामटिकरा जा रहे थे। अभी वे गांव के उत्तर पिच मार्ग से पूरब खड़ंजे पर मुड़े ही थे, तभी बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने बाइक पर पीछे बैठ प्रभंजन पर ताबड़तोड़ चार गोलियां दाग दीं।

लखनऊ में बे'मौसम बारिश

पूरे प्रदेश में आंधी बारिश और ओलावृष्टि

पानी के साथ किसानों की बही उम्मीदें लाखों का नुकसान हुआ

पूरे प्रदेश में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का प्रकोप रहा। लखनऊ सहित कई जिलों में भारी बारिश हुई। सीएम ने अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य करने के निर्देश दिए।

–लखनऊ,संवाददाता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंधीदृबारिश,ओलावृष्टि के दृष्टिगत संबंधित जनपदों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर सर्वे करें तथा राहत कार्य पर नजर रखें।आकाशीय बिजली, आंधी तूफान,बारिश, वज्रपात आदि आपदा से जनहानि और पशुहानि होने की स्थिति में तत्काल प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करें। घायलों का समुचित उपचार कराया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि वर्तमान में गतिमान गेहूं की सरकारी खरीद के दृष्टिगत मंडियों सहित सभी खरीद केंद्रों पर गेहूं के सुरक्षित भंडारण का पूरा ध्यान रखा जाए। अधिकारीगण सर्वे कराकर फसल नुकसान का आकलन करते हुए आख्या शासन को भेजें, ताकि इस संबंध में अग्रेत्तर कार्यवाही की जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि जल जमाव की स्थिति होने पर प्राथमिकता पर जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए।

लखनऊ में सुबह हुई भारी बारिश

राजधानी में बृहस्पतिवार को सुबह होते ही, घने काले बादलों और झोंकेदार हवाओं संग जमकर बरसात शुरू हुई। घने बादलों की मौजूदगी से दिन में ही अंधेरा छा गया। बारिश और हवाओं की वजह से तापमान गिरने से मौसम सुहाना हो गया और लोगों को राहत महसूस हुई।

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से लखनऊ में पूर्वा और पछुआ हवाओं के समागम होने की वजह से यह आंधी और बरसात देखने को मिली है। लखनऊ में सुबह 8:30 बजे तक 7 मिमी. बारिश दर्ज की गई। जबकि एयरपोर्ट के इलाके में यह 2 मिमी. रिकॉर्ड की गई। लखनऊ व आसपास के जिलों बाराबंकी, रायबरेली,सीतापुर आदि में भी अच्छी बारिश देखने को मिली।

गेहूं कटाई कर लौट रही महिला पर गिरी पक्की दीवार, मौत

जिले के सकरन में खेत से वापस आ रही महिला पर पक्की दीवार गिर गई जिसके नीचे दबने से उसकी मौत हो गई। रसूलपुर हरदोपट्टी गांव निवासी कुसुमा देवी (55) पत्नी जुगराज बृहस्पतिवार सुबह खेत में गेहूं की फसल की कटाई करने गई थी। सुबह 9.30 बजे तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। कुसुमा देवी खेत से अपने घर जाने लगी। गांव में नागेन्द्र के घर के पास पहुंचते ही नागेन्द्र की पक्की दीवार भरभरा कर कुसुमा देवी के ऊपर गिर गई जिसके नीचे कुसुमा देवी दब गई। आवाज सुनकर मौके पर पहुंचें ग्रामीणों ने मलबा हटा कर कुसुमा देवी को किसी तरह बाहर निकाला तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पुलिस व राजस्व विभाग को दे दी गई है।

होटल में मिनी कसीनो

खाकी–खादी के दम पर करोड़ों के जुए का खेल

मेरठ। जुए में होने वाली काली कमाई में खाकी और खादी की हिस्सेदारी थी। इसके दम पर भाजपा नेता अंकित मोतला ने यूपी, हरियाणा और उत्तराखंड तक नेटवर्क बना रखा था। सत्ता की हनक के आगे पुलिस भी उसके काले कारनामों में हिस्सेदार बन गई। मेरठ के दौराला में दादरी गांव में पुलिस और राजनेताओं के संबंधों के दम पर भाजपा नेता अंकित मोतला दिल्ली–हरिद्वार नेशनल हाइवे किनारे होटल राजरानी में जुआघर (कैसीनो) चला रहा था। करोड़ों रूपये की कमाई में खाकी और खादी की हिस्सेदारी थी।

इसके दम पर अंकित मोतला ने हरिद्वार, दिल्ली, सहारनपुर, गाजियाबाद और बुलंदशहर तक अपना नेटवर्क फैलाया हुआ था। होटल में खाकी–खादी की पार्टी भी चलती थी। भंडाफोड़ होने पर मामला लखनऊ तक गूंजा। सत्ता व विपक्ष के नेता बयानबाजी को लेकर आमने–सामने आ गए। इसके बाद एसएसपी ने सत्ताधारी नेता का करीबी बताने वाले इंस्पेक्टर, चौकी प्रभारी सहित सात पुलिसकर्मियों पर गाज गिरा दी और विभागीय जांच शुरू करा दी।

अंकित मोतला की मां उर्मिला देवी वर्तमान में वार्ड नंबर–9 से जिला पंचायत सदस्य है। वह निर्दलीय जीती हैं, लेकिन बेटे अंकित ने भाजपा के नेताओं से करीबी बना ली। जिला पंचायत की बोर्ड बैठक में भी मां उर्मिला की जगह पर अंकित ही जाता है।

बेटी के साथ अस्पताल संचालक ने की दरिंदगी...

संतकबीरनगर । नर्स की हत्या के विरोध में परिवार ने जमकर हंगामा किया। परिवार ने कहा कि बेटी के साथ दुष्कर्म हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से परिवार वाले असंतुष्ट दिखाई दिए। पुलिस के मान–मनव्वल के बाद परिजनों ने नर्स का शव बाग में दफनाया। संतकबीरनगर के टेमा रहमत स्थित एक अस्पताल में 22 वर्षीय नर्स की हुई सनसनीखेज हत्या का खुलासा बुधवार को हो गया। पुलिस के अनुसार, हत्या अस्पताल संचालक रामजी राव ने ही की थी। ऐसा उसने नर्स के किसी युवक से फोन पर बात करने से नाराज होकर किया।

वहीं पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट मृतका के परिजनों ने बस्ती स्थित गांव पर हंगामा किया और अंतिम संस्कार से इन्कार कर दिया। परिवार वालों ने दुष्कर्म की आशंका भी जताई। जानकारी के अनुसार परिवार के लोग बुधवार सुबह शव लेकर बस्ती के सेमरियांवा रोड पर कोड़रा के पास प्रदर्शन करने पहुंच गए। नाराज लोगों का कहना था कि जब तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं मिलेगी तब तक अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा।

समझाने के बाद माने परिजन

मौके पर खलीलाबाद कोतवाली व पुरानी बस्ती थाने की पुलिस के साथ सांसद रामप्रसाद चौधरी और विधायक राजेंद्र चौधरी भी पहुंच गए। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्ट रिपोर्ट में गला दबाने और गले की हड्डी टूटने से मौत होने की बात आई है।

सभी के काफी समझाने–बुझाने और समुचित कार्रवाई के आश्वासन पर लोगों ने शव को बाग में दफनाने का फैसला लिया।

पप्पू को पांच गोली मारीं...

मन न भरा तो 200 डंडे भी मारे पोस्टमार्टम में दिखी बर्बरता

फतेहपुर। फतेहपुर तिहरा हत्याकांड में पोस्टमार्टम में सामने आया कि आरोपियों ने गोलियां मारने के बाद लाशों पर डंडे बरसाए थे। पप्पू को पांच, अभय को दो और अनूप को एक गोली मारी गई थी। डंडे खून से लाल हो गए थे।

फतेहपुर तिहरा हत्याकांड को अंजाम देने वाले हत्यारों के भीतर रंजिश की कसक भरी रही। कसक ऐसी थी कि गोलियों से छलनी करने के बाद तीनों की लाशों पर डंडे मारकर भड़ास निकाली।

वह किसी सूरत में परिवार के किसी भी शख्स को जिंदा नहीं छोड़ना चाहते थे। उनके सामने परिवार के और भी शख्स आ जाते तो वह उन्हें भी नहीं छोड़ते।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, गोलियां तमंचों से दागी गई हैं। तमंचे 312 और 32 बोर के इस्तेमाल किए गए हैं। दिवंगत विनोद उर्फ पप्पू सिंह के सीने, पेट व कमर के नीचे पांच गोलियां पाई गईं। शरीर से गोलियां के कई छर्रे निकले। उन्हें दोनों ही बोर के तमंचों से गोलियां मारी गईं।

पप्पू सिंह के भाई को पुलिया में जान बचाकर घुसते समय एक ही गोली मारी।

गोली कनपटी में लगी। वह गोली 32 बोर की थी। पप्पू सिंह के पुत्र अभय को दो गोलियां सीने और पेट में दागी गईं। तीनों के शरीर से छर्रे मिले हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, पप्पू सिंह को आरोपियों ने डंडों से भी पीटा। इतना पीटा कि डंडा खून से लाल हो गया।

वर्षो की रंजिश में बेटे के पहले पिता भिड़ते थे

दोनों परिवारों के बीच तू–तू, मैं–मैं की रंजिश अर्से से चली आ रही है। मुन्नू सिंह के दिवंगत पिता और पप्पू सिंह के पिता लाल बहादुर सिंह के बीच भी विवाद होता रहता था। उनके बीच गाली गलौज, मारपीट तक नौबत आ जाती थी।

वे लोग कुछ दिन बाद एक साथ बैठकर खाना–पानी भी करने लगते थे। इस पीढ़ी के दोनों पक्षों में आए दिन गाली गलौज होती थी। विवाद के बाद दोनों पक्षों के बीच तकरार बढ़ती गई।

लखनऊ में ठक–ठक गैंग के 4 बदमाश गिरफ्तार

कार का शीशा ठोंककर बातों में उलझातेय मोबाइल–पर्स लेकर गायब हो जाते, मेरठ का गैंग

लखनऊ। गौतमपल्ली पुलिस ने ठक–ठक गैंग के 4 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपी सिग्नल पर रुकी गाड़ियों में टक्कर मारते फिर बातचीत के लिए शीशा खुलवा लेते। बातों में उलझाकर मोबाइल, पर्स और कीमती चीज गायब कर देते। डीसीपी सेंट्रल आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि रवीन्द्र कुमार, रिजवान, रिज्जू उर्फ रिजवान और अजीम को गिरफ्तार किया गया। पुलिस आरोपियों से गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों की जानकारी जुटा रही है।

लोरेटो स्कूल के पास की थी वारदात

सेक्टर– आई एलडीए कॉलोनी कानपुर रोड निवासी संतोष कुमार वर्मा ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 8रू30 बजे अपनी कार से ऑफिस से आशियाना घर जा रहे थे। लोरेटो स्कूल के गेट नंबर– 3 के सामने ट्रैफिक के बीच एक लड़का पैदल रोड क्रॉस करने लगा, जिसे बचाने के लिए कार का ब्रेक लगाया। उस लड़के ने पीछे के दरवाजे में जोर से लात मारी। इस पर संतोष ने गाड़ी रोक दी, तभी दूसरी तरफ से एक लड़का शीशा पीटने लगा। उससे बात करने के लिए शीशा खोला, तभी दूसरी तरफ से दूसरे युवक ने शीशा पीटना शुरू कर दिया। बातचीत में उलझाकर दोनों लड़कों ने कार की सीट पर रखा सैमसंग का मोबाइल और पर्स गायब कर दिया था।

125 सीसीटीवी फुटेज से हुआ खुलासा

डीसीपी ने बताया– वारदात के बाद आरोपियों की तलाश के लिए टीम का गठन किया गया। इस दौरान घटनास्थल के आसपास के करीब 125 सीसीटीवी फुटेज चेक किए गए। सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों के आधार सफेद कार की जानकारी हुई। चेकिंग के दौरान 5 विक्रमादित्य के सामने अंधेरे में एक सफेद रंग की होंडा सिटी गाड़ी दिखाई दी। जिसे रोककर 4 लड़कों को हिरासत में लिया गया। कार की तलाशी लेने पर 23 मोबाइल मिले।

मेरठ में फेरी लगाने के दौरान बनाया गैंग

उन्होंने बताया– सभी आरोपी मेरठ के रहने वाले हैं। गैंग का सरगना रिजवान है। सभी आरोपी मेरठ में फेरी लगाने का काम करते हैं। वहीं टप्पेबाजी का गैंग बनाया। इसके बाद अलग–अलग शहरों में टप्पेबाजी शुरू कर दी। टप्पेबाजी करने के लिए मेरठ के सलेमपुर से 80 हजार रुपए में होंडा सिटी कार खरीदी। इसी कार से घूमकर रेकी करते थे।

तीन दिन पहले लखनऊ पहुंचे आरोपी

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि तीन दिन पहले लखनऊ आए हैं। सीतापुर रोड पर एक होटल में रुकते थे। इसके बाद गौतमपल्ली में पहली घटना की। आरोपियों का कहना है कि सभी मोबाइल लखनऊ में ही टप्पेबाजी करके मिले हैं। हालांकि पुलिस मोबाइल के जरिए मालिकों का पता कर रही है।

सास को लेकर दामाद भागा

38 साल की सास को लेकर 25 साल का दामाद भाग गया

बेटी की तबीयत बिगड़ी, बोलीं– कहीं भी जाकर मरें पति बोला– बस एक बार मुझसे मिलवा दो

अपनी सास के साथ दामाद

– अलीगढ़ ,संवाददाता

बेटी की शादी से 10 दिन पहले 38 साल की सास को लेकर 25 साल का दामाद भाग गया। छह महीने पहले इस महिला की बेटी का रिश्ता तय हुआ था। तभी सास ने दामाद को मोबाइल गिफ्ट किया था। दोनों में बात होती रही और मोहब्बत हो गई। दामाद अक्सर अपनी ससुराल आता था। कमरे में सास से घंटों बातें करता था। किसी ने उस पर शक भी नहीं किया। बेटी की शादी के लिए घर में रखे 5 लाख के जेवरात और 3.5 लाख कैश भी महिला घर से ले गई है।

अब समाज में पूरे परिवार का मजाक बन गया। मां की करतूत से बेटी को सदमा लगा और वह बीमार हो गई है। जब बेटी से मां के बारे में पूछा गया तो वह गुस्से में बोली– दोनों कहीं भी जाकर मरें। अब हमारे परिवार को उनसे कोई लेनादेना नहीं है। बस पुलिस हमारे गहने और रुपए वापस करा दे, क्योंकि मेरे पिता ने यह सब अपनी मेहनत के रुपए जोड़कर बनवाया था। पति ने कहा– पुलिस एक बार बस पत्नी से मेरी मुलाकात करा दे।

सदमें में बेटी

समाज में पूरे परिवार का मजाक बन गया। मां की करतूत से बेटी को सदमा लगा और वह बीमार हो गई है। जब बेटी से मां के बारे में पूछा गया तो वह गुस्से में बोली– दोनों कहीं भी जाकर मरें। अब हमारे परिवार को उनसे कोई लेनादेना नहीं है।

लड़का पिता से बोला– मुझे अब ढूंढना मत

मडराक थाना के गांव मनोहरपुर कायस्थ निवासी जितेंद्र कुमार की बेटी शिवानी की शादी 16 अप्रैल को दादों थाना के गांव रिया नगला निवासी होरीलाल के बेटे राहुल के साथ होनी थी। लेकिन, शादी के 10 दिन पहले 6 अप्रैल को शिवानी की मां अनीता घर से गायब हो गई।

वहीं, दूसरी ओर राहुल भी अपने घर से कपड़े खरीदने की बात कहकर निकला और फिर वापस नहीं आया। अलीगढ़ से बाहर निकलते ही दोनों ने अपने मोबाइल भी बंद कर लिए। एक दिन लड़के ने अपने पिता को फोन करके कहा कि मुझे ढूंढना मत, मैं वापस नहीं आऊंगा। जब परिवार के लोगों ने पता किया तो उन्हें जानकारी हुई कि सास भी गायब है।

पति बोला– मेरे सामने लाओ, उसकी शक्ल तो देखूं

पत्नी की शर्मनाक हरकत से परेशान होकर जितेंद्र कुमार ने कहा- अब उन्हें अपनी पत्नी से कोई मतलब नहीं है। उसने जो किया है, वह माफ करने के भी लायक नहीं है। बेटी की शादी के कार्ड बंट गए थे और पूरा समाज-रिश्तेदार इसकी तैयारियां कर रहे थे। लेकिन, इस महिला ने अपनी ही बेटी का जीवन खराब कर दिया। पति का कहना है कि पुलिस बस एक बार हमारी पत्नी को पकड़कर मेरे सामने ले आए। मैं अपनी पत्नी की शक्ल देखकर उससे यह सवाल करना चाहता है कि आखिर उसने अपनी ही बेटी के साथ ऐसा क्यों किया।

दिन में 14 घंटे सास–दामाद में बात होती थी

परिवार के लोगों ने बताया– दोनों परिवारों के बीच लगभग 6 महीने पहले शादी की बातचीत तय हुई थी। इसके बाद से ही दोनों परिवारों के बीच नजदीकियां बढ़ी। राहुल का भी शिवानी के घर आना–जाना शुरू हो गया और दोनों परिवार के लोग एक–दूसरे से बात करते थे। राहुल की बात अपनी सास से भी होती थी। इसी बीच उनके बीच की नजदीकियां बढ़ गई और दोनों के बीच लंबी बातें होने लगी। परिवार के लोगों ने बताया– लगभग 4 महीने से दोनों के बीच दिन–दिनभर बातें होती थी। 14–14 घंटे दोनों बात किया करते थे। लेकिन, परिवार के लोगों ने कभी ध्यान नहीं दिया।

बेटी से ज्यादा सास को दामाद फोन पर समय देता

फरार महिला के पति जितेंद्र कुमार ने बताया– उसकी पत्नी और होने वाले दामाद के बीच दिन–दिनभर बातें होती थी। इतनी बात दामाद उनकी बेटी से कभी नहीं करता था। इसी बात को लेकर उन्हें संदेह हो रहा था। लेकिन, शादी की तारीख नजदीक आ रही थी, इसलिए वह बातों को नजर अंदाज कर रहे थे।

जितेंद्र ने बताया– वह बेंगलुरु में रहकर व्यापार करता है और इसी से उसके परिवार का खर्चा चलता है। अभी भी वह पिछले तीन महीने से बेंगलुरु में ही था, लेकिन उसे अपनी पत्नी के बारे में लगातार परिवार के लोगों से सूचना मिल रही थी। जिस दिन दोनों गायब हुए, उस दिन भी उसकी अपनी पत्नी से रात 10 बजे तक बात होती रही।

सर्विलांस टीम जुटी, दोनों के मोबाइल बंद

महिला के पति ने पुलिस को तहरीर दी और बताया कि महिला जाते समय अपने साथ 3.5 लाख नकद और 5 लाख के जेवर ले गई। महिला के परिवार की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की है। वहीं, युवक के परिवार के लोग किसी से भी बात करने से बच रहे हैं और उन्होंने पुलिस से कोई शिकायत भी नहीं की। महिला और युवक के मोबाइल की आखिरी लोकेशन पुलिस को जिले के अंदर ही मिली थी। इसके बाद दोनों के मोबाइल बंद हो गए। अब सर्विलांस टीम लगातार दोनों को ट्रैस कर रही है, जिससे कि जल्द इन्हें बरामद करके मामले को सुलझाया जा सके।

सीओ बोले– दोनों बालिग हैं

सीओ इगलास महेश कुमार ने बताया– घर से गायब हुए महिला और युवक दोनों ही बालिग हैं। वह अपना अच्छा–खराब सोचने के लिए स्वतंत्र हैं। इसलिए कानूनन उनके ऊपर कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है।

लेकिन, महिला के परिवार ने लिखित शिकायत दी है कि वह अपने साथ घर से जेवर और नकदी लेकर गई हैं। इसलिए शिकायत के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर सर्विलांस और थाने की टीम को जांच में लगाया गया है। जल्द ही पुलिस महिला को बरामद कर लेगी।

भोदही में मां तीन बच्चों के साथ तालाब में कूदी

दो के शव बरामद

भदोही । एक मां अपने तीन बच्चों के साथ तालाब में कूद गई। गोताखोरों की मदद से अब तक दो शवों को तालाब से बाहर निकाल लिया गया है, जबकि बाकी दो की तलाश जारी है। घटना दुर्गागंज थाना के जद्दुपुर गांव की है।

अन्नू देवी (35) अपने परिवार के साथ मुंबई में रहती थी। कुछ दिन पहले ही वह अपनी सास चमेलिया देवी की तेरहवीं में शामिल होने के लिए घर आई थीं। सास की मौत के बाद से ही अन्नू डिप्रेशन में थी। अनु गुरुवार सुबह 3 बजे अपने तीन बच्चों दीक्षा (8), दिव्यांश (6), सूर्यांश (3) को लेकर चुपचाप घर से निकल गई थीं।

सुबह जब परिवार वालों ने उन्हें घर में नहीं पाया तो तलाश शुरू कर दी। तालाब किनारे अनु के चप्पल और बच्चों के कपड़े मिले। अनहोनी की आशंका पर परिवार वालों ने पुलिस और गोताखोरों को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और गोताखोरों की टीम ने तालाब में अनु और उसके तीन बच्चों की तलाश की। गोताखोरों ने दो बच्चों के शव को बरामद किया। बाकियों की तलाश जारी है।

एक महिला की 25 डिलीवरी केस में 3 गिरफ्तार

आगरा। 30 महीने में 25 डिलीवरी और 5 नसबंदी मामले में स्वास्थ्य विभाग के दो कर्मचारियों सहित आरोपी अशोक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सीएमओ ने थाना फतेहाबाद में मुकदमा दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ऑडिट रिपोर्ट में गड़बड़ी सामने आई थी। नगला कदम की कृष्णा कुमारी की ढाई साल में 25 बार डिलीवरी और 5 बार नसबंदी दिखा 45 हजार रुपए खाते में डलवाए गए। मामला खुलते ही विभाग में हड़कंप मच गया था। सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव खुद जांच के लिए पहुंचे थे। इस मामले में नगला कदम के ही अशोक का नाम सामने आया था।

पत्नी बोली– तू जेल जा...गुड लक, पति ने दी जान

बरेली में पुलिस ने पीटा, सुसाइड से पहले मां से बोला–हमेशा के लिए सोने जा रहा

बरेली। बरेली में पत्नी से परेशान होकर पति ने सुसाइड कर लिया। पत्नी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। इसमें लिखा– मैंने अपने पति पर केस कर दिया है। 10.30 बजे तक जेल में होगा। बेस्ट ऑफ लक...तू जा अब जेल में। इसके बाद पति राज और ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई। राज, उसके पिता मनीष बाबू और मां उर्मिला देवी थाने पहुंचे। सिमरन का भाई उसी थाने में कॉन्स्टेबल है। आरोप है कि सिमरन के भाई ने राज और उसके पिता को थाने में पीटा। राज को रातभर लॉकअप में रखा। सुबह राज घर पहुंचकर बोला– मां, मैं हमेशा के लिए सोने जा रहा हूं। कुछ ही देर में उसका शव कमरे में फंदे से लटका मिला। राज के पिता सुरेश कुमार की शिकायत पर पत्नी, सास, ससुर, साली, साले और साढ़ू के खिलाफ प्रताड़ित करने, मारपीट करने का मुकदमा दर्ज कराया। घटना इज्जतनगर के मुंशी नगर कॉलोनी की है।

पत्नी और साले ने की थी पिटाई

24 साल का राज पेटीएम में नौकरी करता था। वह दुकानों में पेटीएम का स्कैनर लगाता था। बहन पूनम ने बताया– राज और सिमरन ने 21 अप्रैल 2024 को लव मैरिज की थी। शादी के एक हफ्ते पहले मैंने सिमरन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर देखा था, जिसमें वह एक युवक के साथ थी। मैंने दोनों के बारे में जानकारी जुटाई। पता चला कि उनका अफेयर चल रहा है। मैंने वह वीडियो भाई राज को भी दिखाया था, मगर उसने इस पर ध्यान नहीं दिया। उसने घरवालों से कहा– वो उसका पास्ट था। अब ऐसा कुछ नहीं है। अब हम दोनों एक–दूसरे से बेहद प्यार करते हैं। मैं सिमरन से ही शादी करूंगा। राज की बात मानकर घरवालों ने सिमरन से उसकी शादी करवा दी। बहन ने बताया–एक महीने पहले ही दोनों बच्ची के माता–पिता बने थे। सोमवार को सिमरन बच्ची को रस्म अदा करने के लिए अपने मायके शाहजहांपुर के पुत्तूलाल चौराहा स्थित रेवती ले गई थी। बुधवार को राज और सिमरन को किसी कार्यक्रम में शामिल होने देहरादून जाना था। जिस वजह से सिमरन को मंगलवार को बरेली वापस आना था। सिमरन ने राज को फोन कर कहा– लेने आ जाओ। इसके बाद सिमरन को लेने के लिए राज शाहजहांपुर गया। वहां किसी बात को लेकर पति–पत्नी में विवाद हो गया। सिमरन और उसके भाई ने राज को पीटा। मंगलवार को सिमरन ने महिला थाने में अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ शिकायत दी। इसके बाद राज अपने मम्मी–पापा के साथ थाने पहुंचा। जहां पर महिला थाने में ही सिमरन के भाई सागर ने राज और उसके पापा को लात–घूसों से पीटा।

पिता बोले– बहू का भाई कान्स्टेबल, उसी ने बंद करवाया

पिता मनीष बाबू ने बुधवार शाम को इज्जतनगर थाना में राज की पत्नी सिमरन, उसके साले सागर और दीपक, ससुर मुकेश, सास बबिता, साली पूजा और साढ़ू करण के खिलाफ केस दर्ज कराया। थ्प् में कहा गया कि बहू सिमरन आए दिन बेटे से लड़ाई करती थी। 10 दिन पहले भी झगड़ा हुआ था, तो उसके मायके वाले उसे ले गए। बेटा उसे लेने पहुंचा, तो वहां उसके साथ मारपीट की गई। उसे तलाक लेने और जेल भेजने की धमकी दी गई। बहू का भाई सागर कॉन्स्टेबल है। उसी ने बेटे को लॉकअप में बंद करवाया। हमारे साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया। हम लोग हाथ जोड़कर मिन्नतें करते रहे, लेकिन पुलिसवाले उसे पीटते रहे। राज झूठे आरोपों और पुलिस के दबाव के चलते मानसिक रूप से टूट चुका था। ये सब वह बर्दाश्त नहीं कर सका और उसने खुद को खत्म कर लिया। इज्जतनगर थाना प्रभारी अतुल सिंह ने बताया– शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

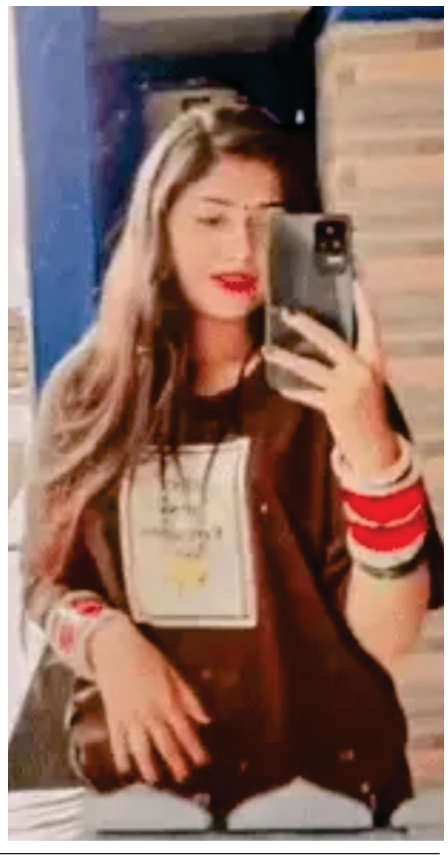

शिष्टाचार भेंट

मुख्यमंत्री योगी से मिले प्रभु देवा

सरकारी आवास पर डा0 एम मोहन बाबू, कुलाधिपति मोहन बाबू विश्वविद्यालयधफिल्म निर्माता,प्रभु देवा, फिल्म कलाकार विष्णु माचू, फिल्म कलाकार विनय महेश्वरी फिल्म ने शिष्टाचार भेंट की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ के गोमती नगर में स्थित संगीत नाटक अकादमी में जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गनाइजेशन जीतो द्वारा आयोजित विश्व नमोकार महामंत्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होते हुए।

राहुल गांधी ने उठाया जाति जनगणना का मुद्दा वक्फ कानून को बताया संविधान पर आक्रमण

नई दिल्ली,एजेंसी। गुजरात के अहमदाबाद में दो दिवसीय कांग्रेस अधिवेशन का आज दूसरा दिन है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आज अधिवेशन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जाति जनगणना और वक्फ कानून को लेकर अपनी बात रखी और भाजपा और संघ पर जमकर निशाना साधा। गुजरात के अहमदाबाद में कांग्रेस का 84वां दो दिवसीय अधिवेशन चल रहा है। मंगलवार को पहले दिन कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक चार घंटे चली। आज आखिरी दिन कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने एक बार फिर से जाति जनगणना को लेकर आवाज उठाई है।

राहुल गांधी ने फिर उठाया जाति जनगणना का मामला

राहुल गांधी ने कहा कि, तेलंगाना में हमने एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। हमने जाति जनगणना करायी है। राहुल गांधी ने कहा कि कुछ महीने पहले, मैंने संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा था कि हमें देश में जाति जनगणना करवानी चाहिए... मैं जानना चाहता था कि इस देश में किसकी कितनी हिस्सेदारी है और क्या यह देश सही मायने में आदिवासी, दलित और पिछड़े समुदायों का सम्मान करता है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस ने जाति जनगणना से साफ इनकार कर दिया क्योंकि वे नहीं चाहते कि इस देश में अल्पसंख्यकों को कितनी हिस्सेदारी मिलती है, यह पता चले। मैंने उनसे कहा कि हम संसद में आपके सामने ही जाति जनगणना कानून पारित करेंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा में, राज्यसभा में हम कानून पास करेंगे। जाति जनगणना यहीं से निकालेंगे। मैं जानता हूं कि जो तेलंगाना की हालत है, वह हर प्रदेश की है। तेलंगाना में 90 फीसदी आबादी, ओबीसी, दलित, अल्पसंख्यक है। तेलंगाना में मालिकों की लिस्ट, सीईओ की लिस्ट, सीनियर मैनेजमेंट की लिस्ट में इस 90 फीसदी में से नहीं मिलेगा।

राहुल ने कहा, तेलंगाना में सारे गिग वर्कर्स दलित, ओबीसी या आदिवासी हैं। तेलंगाना में जाति जनगणना में नया उदाहरण दिया है। तेलंगाना में हम सचमुच में विकास का

काम कर सकते हैं। वहां हम हर सेक्टर में आपको बता सकते हैं। मैं खुश हूं कि जाति जनगणना होने के बाद हमारे सीएम और टीम ने ओबीसी रिजर्वेशन को 42: तक पहुंचा दिया। जब दलित, ओबीसी, अल्पसंख्यक की भागीदारी की बात आती है तो भाजपा के लोग चुप हो जाते हैं। जो हमने तेलंगाना में किया है, वह हम पूरे देश में करने जा रहे हैं। भाजपा ने इसे रद्द कर दिया है। अग्निवीर के मुद्दे पर रराहुल ने कहा कि आज हमारी सरकार युवाओं को कहती है कि आप युद्ध में शहीद होंगे, आप अग्निवीर हो तो हम आपको न शहीद का दर्जा देंगे और न ही पेंशन। आपके साथ जो लड़ रहा है, उसे मिलेगा, आपको नहीं। दलित, पिछड़ा, अति–पिछड़ा को नुकसान हो रहा है। वहीं हाल में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सलाहकार मोहम्मद युनुस और पीएम मोदी की मुलाकात को लेकर राहुल गांधी ने जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि बांग्लादेश भारत के खिलाफ बयान दे रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री वहां के नेता से मिले। उनके मुंह से एक शब्द नहीं निकला। कहां गई 56 इंच की छाती। अमेरिकी टैरिफ के मुद्दे पर राहुल ने कहा, पहले मोदी अमेरिका जाते थे। राष्ट्रपति ट्रंप के गले मिलते थे। अब आपने ट्रंप से गले मिलने वाली फोटो देखी। ट्रंप ने नए टैरिफ लगा दिए। मोदी जी की चूं तक नहीं निकली। जनता का ध्यान वहां न जाए, संसद में ड्रामा करवाया। सच ये है कि आर्थिक तूफान आने वाला है। कोरोना में मोदी जी ने थाली बजवाई थी। अब कहां छिप गए हैं?

अस्पताल में नर्स का कत्ल...

गले की तीन हड्डियां टूटीं, तीन जगह खरोंच के निशान, मां से फोन पर कहे थे ये शब्द

संत कबीर नगर । संतकबीरनगर जिले के खलीलाबाद कोतवाली इलाके के टेमा रहमत स्थित संस हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर में काम करने वाली नर्स की अस्पताल में हत्या कर दी गई। उसके गले में तीन जगह खरोंच के निशान मिले हैं।

सूत्रों के मुताबिक, पोस्टमार्टम में गले की तीन हड्डियां टूटी मिली हैं। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर संचालक रामजी राव के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

वहीं सीएमओ के निर्देश पर टीम ने अस्पताल सील कर दिया है।

पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के पहुरा गांव के निवासी एक शख्स की पोती 24 वर्षीय युवती खलीलाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग 28 पर स्थित निजी अस्पताल में नर्स थी। सोमवार रात में 11 बजे उसने मां को फोन करके बताया कि हॉस्पिटल में ही रुकेगी और सुबह घर आएगी।

मंगलवार सुबह सात बजे तक ममता जब कमरे से बाहर नहीं निकली तो पड़ोस के कमरे के लोग पहुंचे। कमरे में कुंडी नहीं लगी थी।

दरवाजा खोला गया नर्स बेसुध मिली। गले पर तीन जगह खरोंच के निशान दिखे। इसके बाद अस्पताल के स्टाफ ने परिजनों को सूचना दी। अस्पताल पहुंचे परिजन हंगामा करने लगे। हत्या की आशंका जताते हुए जांच की मांग की। हंगामे की जानकारी पर सीओ, एएसपी सुशील सिंह तथा मौके पर पहुंच गए। दोपहर में एसपी भी मौके पर पहुंचे। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने रामजी राव के खिलाफ केस दर्ज किया है।

अस्पताल संचालक बोला– युवती की किडनी में थी पथरी

अस्पताल के संचालक रामजी राव का कहना है कि नर्स की किडनी में पांच माह से पथरी थी। उसकी दवा चल रही थी। रात में उसको दर्द हुआ तो इंजेक्शन और दवा दी गई। इसके बाद वह जाकर सो गई। सुबह जब वह देर तक नहीं उठी तो जाकर देखा गया। उसकी सांस नहीं चल रही थी। इसके बाद उसके परिजनों को सूचना दी गई।

गला दबाने से हुई थी नर्स की मौत

संतकबीरनगर की कोतवाली क्षेत्र के टेमा रहमत के अस्पताल में हुई स्टाफ नर्स की मौत के मामले में परिजनों का आरोप है कि उनकी बेटी की मौत दम घुटने से हुई है। उसे गला दबाकर मारा गया है।

परिजनों का कहना है कि पुलिस और अस्पताल के डॉक्टर कुछ भी नहीं बता रहे हैं मगर उन्हें वहां के स्टाफ से जानकारियां मिली हैं। उधर डॉक्टरों की टीम ने वेजाइनल स्वाब का नमूना भी लिया है। इसे यह जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला को भेजा जाएगा। नर्स का पोस्टमार्टम चार चिकित्सकों के पैनल ने किया है। इस पैनल में दो विशेषज्ञ महिला चिकित्सकों को भी शामिल किया गया था।

पूरे पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी कराई गई है। इसके साथ ही कुछ अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों से भी परामर्श लिया गया है। पुलिस देर रात तक इस मामले में कुछ भी बताने से बचती रही। परिवार वालों ने बताया कि उन्हें अस्पताल और पुलिस से कोई भी स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही है।

अस्पताल सील के समय भर्ती थे चार मरीज, दूसरे अस्पताल भेजे गए

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जिस समय अस्पताल सील किया। उस समय अस्पताल में करीब चार मरीज भर्ती थे। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने इन्हें दूसरे अस्पताल में भिजवाया है।

सरकारी चिकित्सक भी अस्पताल में देते थे ड्यूटी

सूत्रों के अनुसार सरकारी चिकित्सक भी इस अस्पताल में ड्यूटी देते थे। इन चिकित्सकों की बदौलत यह अस्पताल चलता था।

पुलिस इस बात का भी पता कर रही है कि रात में कोई डॉक्टर मरीज देखने अस्पताल आया या नहीं। अस्पताल में मरीजों के साथ ही सोमवार को रात में तैनात सभी कर्मियों का ब्यौरा भी पुलिस जुटा रही है।

गदर 2 की अपार सफलता के बाद अब सुपरस्टार सनी देओल (नेददल क्मवस) फिल्म जाट लेकर आए हैं। आज से उनकी ये एक्शन ड्रामा फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। अगर आप भी सनी के फैन हैं।

गदर 2 के बाद सनी देओल की नई फिल्म धमाकेदार एक्शन अवतार में दिखे सनी

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। लगभग दो साल के इंतजार के बाद सुपरस्टार सनी देओल (नेददल क्मवस) अपनी नई फिल्म जाट (श्रंज) के साथ सिनेमाघरों में वापसी कर चुके हैं। 2023 में आई गदर 2 की अपार सफलता के बाद जाट से फैंस को काफी उम्मीदें और लगता है सनी उनके उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए पूरी तैयारी करके आए हैं।

मारधाड़ वाले एक्शन अवतार में सनी देओल काफी जचते हैं और जाट में उन्होंने इसे बखूबी कायम रखा है। नॉर्थ के बाद निर्देशक गोपीचंद मलिनेनी के साथ मिलकर उन्होंने अपने ढाई किलो के हाथ की ताकत साउथ को भी दिखा दी है।

क्या है फिल्म जाट की कहानी

जाट की कहानी 40 गांव पर गुंडाराज चलाने वाले खलनायक राणातुंगा (रणदीप हुड्डा) से शुरू होती है, जो श्रीलंका से भागकर आंध्र प्रदेश में आता है। धीरे–धीरे वह उस इलाके और आस–पास गावों में मौत का तांडव खेलते हुए दशहत फैलाता है। उसके साम्राज्य में सेंध उस वक्त लगती है, जब उसकी पत्नी भारती (रेजिना कैसेंड्रा) महिला पुलिस ऑफिसर विजय लक्ष्मी (सैयामी खेर) सहित उसकी अन्य सिपाहियों को कैद कर लेती है। राणातुंगा का एक सरफिरा भाई सोमोलो होता है, जो अपने जुर्म की दुनिया में बड़े भाई का हाथ बंटाता है। राणातुंगा की लंका का दहन करने के लिए फिल्म में एक सनकी जाट (सनी देओल) की एंट्री होती है, जो अनजाने में ही सही लेकिन सीधा राणातुंगा को टारगेट करता है। अब क्या इस जाट की राणातुंगा से कोई पुरानी दुश्मनी और राणातुंगा का इतिहास क्या है। उसके लिए आपको जाट को देखना होगा। 2 घंटे 38 मिनट की जाट की कहानी में आपको एक्शन ड्रामा और रोमांच भरपूर मात्रा में देखने को मिलेगा, जो आपको बोर होने नहीं देगा।

एंटरटेनमेंट डेस्क। फिल्मी दुनिया की चकाचौंद देखकर न जाने कितने ही लोग एक्टिंग में अपना लक आजमाने के लिए मुंबई जाते हैं। बॉलीवुड सुपरस्टार्स के स्ट्रगल की स्टोरी सुनकर ऐसे लोगों की हिम्मत दोगुना हो जाती है। सिनेमा जगत में ऐसे अभिनेता और अभिनेत्रियों की लिस्ट भी लंबी है, जिन्होंने अपनी इच्छा से फिल्मों में काम शुरू नहीं किया था। आज बात यश चोपड़ा की फिल्म से डेब्यू करने वाली एक हिट एक्ट्रेस की कर रहे हैं, जो डॉक्टर बनना चाहती थी। खैर, लोगों के प्यार से उन्हें बड़े पर्दे पर अलग पहचान बनाने में सफलता मिली।

70 के दशक की खूबसूरत अदाकाराओं की लिस्ट में पूनम ढिल्लों (च्वदंउ दीपससवद) का नाम जरूर शामिल किया जाता है। अभिनय की बदौलत उन्होंने सिनेमा प्रेमियों के दिल जीते। लेकिन आपको हैरानी हो सकती है कि करियर की शुरुआत में उन्होंने यश चोपड़ा की एक फिल्म में काम करने से इनकार कर दिया था, जो बाद में बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी।

इस फिल्म में काम करने के लिए तैयार नहीं थी एक्ट्रेस

पूनम ढिल्लों फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आई थीं। उनका सपना डॉक्टर बनने का था और वह एक ऐसे परिवार से आने वाली लड़की थी, जिनके परिवार में फिल्मों को देखा भी नहीं जाता था। हालांकि, किस्मत उन्हें फिल्मी दुनिया में लेकर आई और उन्होंने एक से बढ़कर एक हिट फिल्मों में काम किया। यश चोपड़ा अपने जिद्दी स्वभाव के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने फिल्मों के जरिए कई स्टार्स को पहचान दिलवाई है। हिंदी रश को दिए एक लेटेस्ट इंटरव्यू में पूनम ने बताया कि 1979 में रिलीज हुई नूरी फिल्म में उन्होंने पहले काम करने से इनकार कर दिया था। वहीं, इस फिल्म के डायरेक्टर यश चोपड़ा की वह पहली पसंद थीं।

पूनम ढिल्लों ने खुद इस बात का खुलासा किया है कि जब यश चोपड़ा ने उन्हें एक फिल्म ऑफर की, तो उन्होंने बड़े प्यार से रोल ठुकरा दिया, क्योंकि वह उस समय अपनी पढ़ाई पर फोकस करना चाहती थीं। लेकिन यश चोपड़ा भी इतनी आसानी से मानने वाले डायरेक्टर नहीं हैं। एक्ट्रेस के मुताबिक, उन्होंने कहा, 'अगर तुम इस फिल्म में काम नहीं करने वाली हो, तो मैं इसे बंद कर दूंगा और किसी को भी मूवी के लिए रोल नहीं दूंगा।'

यश चोपड़ा की धमकी से एक्ट्रेस के समझ में बात आ गई कि यह बड़ा मौका है और इसे ऐसे ही छोड़ा नहीं जा सकता। इसका परिणाम यह निकला कि एक्ट्रेस ने फिल्म में काम करने के लिए हामी भर दी।

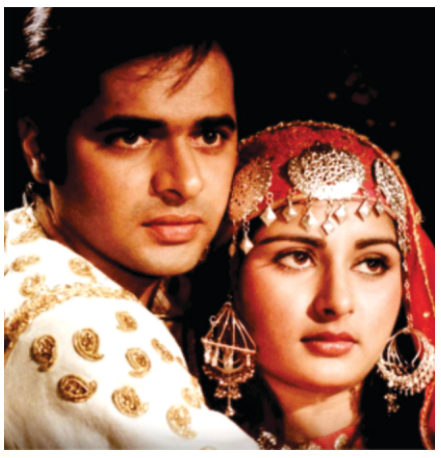

फिल्मी दुनिया में स्टार्स से जुड़े कुछ रोचक किस्सों का जिक्र अक्सर चलता है। यश चोपड़ा ने कई स्टार्स को लोगों के बीच अपनी फिल्मों के जरिए पहचान दिलवाई। इस लिस्ट में 70 के दशक की एक हिट का नाम भी शामिल है। शायद आपको हैरानी होगी की उन्होंने यश की एक फिल्म में काम करने से इनकार कर दिया था।

भूल चूक माफ का ट्रेलर रिलीज

एंटरटेनमेंट डेस्क। फिल्म भूल चूक माफ का ट्रेलर जारी हो चुका है। ट्रेलर में खूब हंसी के डोज हैं। ट्रेलर में शादी करने में आ रही दिक्कतों को दिखाया गया है। आइए जानते हैं क्या है ट्रेलर में।

राजकुमार राव और वामिका गब्बी की आने वाली फिल्म श्भूल चूक माफश का ट्रेलर जारी हो चुका है। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले रिलीज हो रही इस फिल्म का ट्रेलर काफी रोचक है। ट्रेलर में राजकुमार राव और वामिका गब्बी पहली बार साथ नजर आए हैं। ट्रेलर में राजकुमार राव वामिका गब्बी के साथ शादी की गुत्थी को सुलझाते नजर आए हैं।

ट्रेलर में हैं हंसी के डोज

ट्रेलर में दिखाया गया है कि जब राजकुमार राव की सरकारी नौकरी लग जाती है। इसके बाद उनकी शादी होने वाली होती है। लेकिन ऐसा कुछ होता है कि शादी का दिन ही नहीं आता। ऐसे में राजकुमार राव को एक पंडित जी बताते हैं कि उनसे किसी का दिल दुख गया है। ऐसे में राजकुमार राव सबसे भूल चूक माफ करने को कहते हैं। ट्रेलर में खूब हंसी के डोज हैं।

गिरगिट है तुम्हारा आराध्य देव लाइव मैच में भिड़े सिद्धू और रायुडू

स्पोर्ट्स डेस्क। इस मैच से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू और अंबाती रायुडू के बीच बहस होती दिख रही है। इस दौरान सिद्धू ने कुछ ऐसा कह दिया जिसको अब प्रशंसक धोनी से जोड़ रहे हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के हाथों 18 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में धोनी बल्लेबाजी के लिए आए लेकिन 27 रन बनाकर आउट हो गए।

वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। अब इस मैच से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू और अंबाती रायुडू के बीच बहस होती दिख रही है। इस दौरान सिद्धू ने कुछ ऐसा कह दिया जिसको अब प्रशंसक धोनी से जोड़ रहे हैं।

सिद्धू और रायुडू के बीच हुई बहस

पंजाब के खिलाफ मैच में धोनी पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए थे। जब दिग्गज बल्लेबाज डगआउट से निकले तो कमेंट्री पैनल में मौजूद नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, धोनी आज भागते हुए आ रहे हैं। इस बार इंटेंट तो उनके कदमों से ही साफ दिख रहा है।

इस पर अंबाती रायुडू ने कहा, श्जी हां बिल्कुल! धोनी की चाल देखिए, बल्ला नहीं, तलवार लेकर आ रहे हैं। आज धोनी तलवार चलाएंगे।

तुम्हारा आराध्य देव गिरगिट है

इसके बाद सिद्धू ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए कहा, अरे यार बैटिंग करने आ रहे हैं या युद्ध लड़ने? जवाब में रायुडू कहते हैं इतनी तेजी से तो गिरगिट भी रंग नहीं बदलता, जितनी तेजी से आप टीम बदल रहे हैं। इस पर सिद्धू को कहते सुना जा सकता है, गिरगिट अगर किसी का आराध्य देव है, तो वो तुम्हारा है।श् अब फैंस सिद्धू के इस बयान को धोनी से जोड़कर देख रहे हैं।

सिद्धू ने दी प्रतिक्रिया

अब सिद्धू ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने सोशल हैंडल से एक वीडियो साझा किया है जिसमें वह धोनी के विषय में बात करते दिख रहे हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है– धोनी क्रिकेट खेलने आए हैं गुरू? युद्ध लड़ने नहीं।

ओलंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी

छह टीमें हिस्सा लेंगी, एक स्क्वाड में होंगे इतने खिलाड़ी

स्पोर्ट्स डेस्क। क्रकेट 128 साल के अंतराल के बाद 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में जब वापस आएगा तो छह टीमें शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। इसमें अमेरिका का खेलना तय माना जा रहा है। क्रिकेट 128 साल के अंतराल के बाद 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में वापसी करेगा। इसको लेकर आयोजकों ने बुधवार को बड़ा एलान किया। लॉस एंजिलिस ओलंपिक के आयोजकों ने इस बहुराष्ट्रीय आयोजन में क्रिकेट के लिए टीमें तय कर दी हैं। महिला और पुरुष दोनों श्रेणी में छह–छह टीमें हिस्सा लेंगी। मैच टी20 प्रारूप में खेले जाएंगे। छह टीमें स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक के लिए टक्कर लेती दिखेंगी।

साल 1900 में क्रिकेट ओलंपिक का हिस्सा था

पिछली बार क्रिकेट साल 1900 में पेरिस ओलंपिक का हिस्सा रहा था। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच दो दिवसीय मुकाबला खेला गया था। अब इसे अनाधिकारिक टेस्ट के रूप में गिना जाता है। हालांकि, लॉस एंजिलिस ओलंपिक में छह टीमें टी20 प्रारूप में खेलती दिखेंगी। इतना ही नहीं आयोजकों ने एक टीम में अधिकतम खिलाड़ियों की संख्या भी तय की है। आयोजकों ने कहा है कि एक टीम में 15 खिलाड़ी होंगे। पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में अधिकतम 90 खिलाड़ियों का कोटा तय किया गया है। यानी छह टीमों को मिलाकर अधिकतम 90 खिलाड़ी होंगे।

आईसीसी के 12 नियमित सदस्य

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल के फिलहाल 12 नियमित और 94 सहयोगी सदस्य हैं। नियमित सदस्यों में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका,

वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे की टीमें हैं। हालांकि, 2028 ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया के बारे में अब तक नहीं बताया गया है। इसमें अमेरिका का खेलना तय माना जा रहा है, क्योंकि उन्हें मेजबान कोटे का फायदा मिलेगा। इसका मतलब होगा कि अमेरिका के अलावा पांच और टीमें हिस्सा ले सकेंगी और उन्हें क्वालिफिकेशन प्रक्रिया से गुजरना होगा।

पांच नए खेलों को शामिल किया गया

क्रिकेट उन पांच नए खेलों में शामिल है, जिन्हें लॉस एंजिलिस ओलंपिक में जगह दी गई है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ ने इन पांच खेलों के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में शामिल किए जाने की पुष्टि साल 2023 में की थी। क्रिकेट के अलावा इनमें बेसबॉलध्सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रॉस और स्क्वॉश शामिल हैं। इस बीच आईओसी के कार्यकारी बोर्ड ने बुधवार को ओलंपिक खेल 2028 के लिए प्रतियोगिताओं का कार्यक्रम और खिलाड़ियों के कोटा को मंजूरी दी। इन खेलों में पेरिस ओलंपिक 2024 की तुलना में 22 अधिक पदक स्पर्धाएं होंगी।

आईओसी ने ओलंपिक 2028 के लिए रिकॉर्ड 351 पदक स्पर्धाओं को मंजूरी दी है लेकिन खिलाड़ियों की संख्या 10500 ही रहेगी। खिलाड़ियों की संख्या में नए खेलों के 698 खिलाड़ी भी शामिल हैं। ओलंपिक खेलों के इतिहास में पहली बार टीम खेलों में पुरुष और महिला खिलाड़ियों की संख्या समान होगी। अन्य खेलों में मुक्केबाजी में पुरुषों की तरह महिला वर्ग में भी समान सात वजन वर्ग होंगे।

टी20 विश्व कप टाइटल रिंग के साथ विराट कोहली का जश्न, रेसलर जान सीना भी हुए प्रभावित

आरसीबी के लिए खेल रहे कोहली को वानखेड़े में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से पहले टी20 विश्व कप टाइटल रिंग को पहनते हुए देखा गया। इसके बाद उन्होंने जॉन सीना के श्यू कान्ट सी मी वाले अंदाज में जश्न मनाया। इसके वीडियो पर फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं।

स्पोर्ट्स डेस्क। विराट कोहली को मौजूदा समय में खेल की दुनिया का बेताज बादशाह माना जाता है। देश विदेश के कई एथलीट उन्हें पहचानते हैं और उनसे मुलाकात भी करते रहते हैं। विराट ने पिछले एक साल में टी20 विश्व कप और चौंपियंस ट्रॉफी के रूप में दो–दो आईसीसी के खिताब जीते हैं। हाल ही में वह टी20 विश्व कप में मिली टाइटल रिंग के साथ जश्न मनाते दिखे। इसका जश्न उन्होंने कुछ इस तरह मनाया कि डब्ल्यूडब्ल्यूई (वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट) के दिग्गज पहलवान और अभिनेता जॉन सीना भी खुद को प्रतिक्रिया देने से नहीं रोक सके। जॉन सीना ने अपने इंस्टग्राम हैंडल से कोहली की तस्वीर साझा की है। दरअसल, आरसीबी के लिए खेल रहे कोहली को वानखेड़े में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से पहले टी20 विश्व कप टाइटल रिंग को पहनते हुए देखा गया। इसके बाद उन्होंने जॉन सीना के श्यू कान्ट सी मी वाले अंदाज में जश्न मनाया। यह जॉन सीना का आइकॉनिक सेलिब्रेशन पोज है। इस पर फैंस के कई कमेंट आ रहे हैं। नेटफ्लिक्स जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म ने भी इस पर कमेंट किया है।

इससे पहले कोहली के वीडियो को शेयर करते हुए आरसीबी ने लिखा, उनका (कोहली) समय अब हमेशा रहेगा। विराट कोहली ही अब असली अनुभूति हैं। गाना– जॉन सीना (माय टाइम इज नाऊ)। कोहली जॉन सीना का पोज देते हुए मुस्कुराते भी हैं। विराट पिछले साल टी20 विश्व कप के दौरान ग्रुप स्टेज में अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाए थे। हालांकि, फाइनल में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 76 रन की बहुमूल्य पारी खेली थी और टीम इंडिया को बारबाडोस में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। कोहली ने उस टूर्नामेंट में आठ मैचों में 112 के स्ट्राइक रेट से 112 रन बनाए थे।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

रोहिन राज मुकाबले के दौरान रिटर्न लगाते हुए।

कोलकाता: केकेआर के खिलाफ नूफानी अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट खेलते पूरन।

पंजाब किंग्स के पूर्व कप्तान को अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड सोफी शाइन के साथ एयरपोर्ट पर देखा गया। वीडियो में देखा जा सकता है कि दोनों को एक–दूसरे का साथ काफी पसंद आ रहा है। इस दौरान दोनों एक–दूसरे की तरफ देखकर हसते दिख रहे हैं।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज शिखर धवन इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि उन्हें एक बार फिर प्यार हो गया है। हालांकि, अब तक दिग्गज की तरफ से इसपर कोई बयान नहीं आया है। इस बीच उन्हें एक बार फिर उसी लड़की के साथ स्पाट किया गया जिसके साथ उनके रिश्ते की चर्चाएं हो रही हैं।